

राज
कॉमिक्स
विशेषांक
मूल्य 15.00 संख्या 5

नगीना का जाल



इस कॉमिक्स विशेषांक के
साथ नागराज का
एक मल्टीस्टर स्टोरी
मुफ्त

Vinod Yadav

नागाराज और नगीना का जाल

कहानी:
संजय गुप्ता
सम्पादन:
मनीष चंद्र गुप्त
चित्रांकन:
प्रताप मुळीक

विश्व आतंकवाद का दुश्मन नागाराज नागनागि द्वीप पर महान्ना कालदूत के सामने बैठा था —

महान्ना कालदूत! कृपया मुझे बताएं, मुझे एकदम अचानक द्वीप पर बुला लेने का क्या कारण है?



जैसा नागसम्राट नागाराज! सुनो सैकड़ों वर्ष पहले जब मैं इस द्वीप पर पहुंचा यहां तीन जातियों का राज था जो अत्यंत क्रूर थी और सदा एक-दूसरे से लड़ती रहती थी।

बिच्छु: थड़े: यह जाति अत्यंत खतरनाक व लड़ाकू जाति थी।

सरदार, आज हमने बीस मकड़ों के तिर करट डारे।

झाबडा!



मकड़ा सार: यह जाति बेहद जहरीली और घातक थी।

सरदार! हमने बिच्छुओंकी एक बस्ती आज फूंक डाली।



केकड़ा कंट : यह जाति समुद्र किनारे घुपकर रहती थी और बाकि दोनो जातियो पर घुपकर वार करती थी।

हा हा हा यह बिच्छुओं और मकड़ों का सोस कितना स्वादिष्ट है।



मैंने इस द्वीप को इच्छाधारी जातियों के लिए बेहतर बनाया -

यहां इच्छाधारी जातियों के लिए प्रचुर मात्रा में भोजन भी था और इन तीनों जातियों का विनाश कर हम दुनिया की जरूरतों से भी सुरक्षित रह सकते थे।



फिर मैं इस द्वीप की सबसे ताकतवर जाति बिच्छु-धड़ों के बीच मिल गया।

इसके लिए मुझे अपना रूप बदलना होगा।



अपना रूप बदल कर जाती ही मैं उन में घुसना बन गया -

सरदार! आज मैं अकेला ही तीन मकड़ों के सिर बना रहा हूँ।

वाह! जब से तुम आये हो, मकड़ों में आतंक फैल गया है।

और एक दिन जब सभी बिच्छु बीकार परवार हुए थे -

सरदार! आज तुम्हें मुझ से युद्ध करना होगा।

क्या बक रहा है तू? होश में नहीं है क्या?



सरदार वारजा -

तू जानता नहीं सरदार बिच्छु धड़े से बलवान इस द्वीप पर वूसरा नहीं है।

मैं तो जानता हूँ, किन्तु तुम नहीं जानते मुझे।...



... कि मैं कौन हूँ और
कितना बलवान
हूँ।

मैं उस पर दूट पड़ा—

हाय! यह क्या
बला है?



उसके हाथ सीधे किया—

यह
बिछू जाते तुम्हें
कैद कर लेवा अजलबी
दुश्मन।

उस असंख्य बिछूओं ने मुझे
घेर लिया—

युफ, इन बिछूओं
के जहरीले डंक, रक्त आदि
जहरीला नाश होने के कारण
मैं तो सह वाया साधारण नाश
तो कर का भर जाता।

मैंने कालसर्पों को आदेश
दिया।

कालसर्पों ने मेरे डरीर पर चिपके प्रत्येक बिछू को घूस किया।



कालसर्पों!
इन बिछूओं का
नाश करो।

बहुत जोशाली से लड़ा सरदार बिचू धड़ा -



किन्तु मेरे सामने उसकी शक्ति नगण्य थी।

सो लोभ जादवी हीउने केद कर लया।

फिर सरदार बिचू धड़े का रूप धरकर मैं कबीले पर राज करने लगा -

तुम्हें अपधी काली का फल सुवानना होवा अजलधी दुइलन।

अब तू मेरी बुध बाण में कैद रहेवा।



उसके बाद मैं उसे बाण म कैद कर आया।



कल रात एक बड़ी लड़ाई लड़ी जाएगी। इस दूध पर अब हम रहेंगे वा मकड़े।

हाँ, हाँ, बड़ी लड़ाई!

बड़ी लड़ाई!

मकड़ों की बस्ती में भी बड़ी लड़ाई का ऐलान हो गया।

और जैसा मैंने सोचा था।

मकड़े या बिचूओं में से एक।

बड़ी लड़ाई में जो भी जीतेगा उस पर पीछे से हमला बोल देंगे हम।

बड़ी लड़ाई! बड़ी लड़ाई!



बड़ी लड़ाई हुई -



बेहद घमासान युद्ध -



बड़ी लड़ाई के दौरान सरदार मकड़ा खादू को बंदी बना लिया।



सरदार मकड़ा! अब इस द्वीप पर तुम्हारे जाति का अन्त हो गया समझो!

मैं तुम्हें देख लूंगा सरदार बिच्छू!

बड़ी लड़ाई में बिच्छुओं की जीत हुई -



हा हा हा हमने सभी मकड़ों को चुन-पुन कर मौत के घाट उतार दिया।

बड़ी लड़ाई में जीत हमारी हुई। अब इस द्वीप पर केवल बिच्छू रहेंगे।

जीत की खुशी में वे सब मस्त थे।...

... कि तनी पीछे से केकड़ों ने उन पर आक्रमण कर दिया।



बड़ी लड़ाई तुमने नहीं हमने जीतनी है।

इस द्वीप पर केवल केकड़े रहेंगे।

सब कुछ वैसा ही हो रहा था जैसा मैंने चाहा था।



विजय हमारी हुई।

मकड़ों को बिच्छुओं ने समाप्त कर दिया था और बिच्छुओं को केकड़ों ने सफाया कर दिया।

केकड़े जब जड़न मना रहे थे मैं अपने असली रूप में उनके बीच पहुंचा-

मैं हूँ कालवृत्त महान, सरदार बिचू और सरदार मकड़ा दोनों मेरे कब्जे में हैं और अब तुम्हें और तुम्हारी जाति को भी यह द्वीप छोड़ना पड़ेगा, क्योंकि अब यहाँ इच्छाधारी जातों का राज होगा।

कौन हो तुम अजबवी! इस द्वीप पर पहली बार नजर आये हो।



वह आत्मी से मानवे वस्त्र नहीं था -

तुम्हें मुझ से युद्ध करना पड़ेगा।

युद्ध स्वीकार



वह बलशाली था सरदार केकड़ाकंट किन्तु-

मेरी जहरीली पूंजकण्ड यह नहीं सह पायेगा और बेहोश हो जाएगा।



सरदार की यह हालत देख सभी केकड़े वहाँ से भाग खड़े हुए।

अब गुप्त गुफा में तीनों सरदार कैद हो चुके थे-

अब मैं नाग तांत्रिका इच्छाधारी नागिन नगीना को योग साधना से यहाँ बुलाऊँगा।



कुछ देर की कोशिशों के बाद-

महात्मा कालवृत्त आंखें खोलें। मुझे बुलाने का प्रयोजन बताएं।



नाग तांत्रिका नगीना मेरे सामने उपस्थित थी।

आओ नगीना, स्वागत है। तुम्हें इस द्वीप को बसाने में मेरी मदद करनी होगी।

कैसी मदद?

मैं इस गुफा में रहकर इस द्वीप पर पूरे विश्व से इच्छाधारी साँपों को बुलाऊँगा। उन साँपों की सुस्वा व उन्हें बसाने का कार्य तुम्हें सम्पन्न करना है।

जरूर महात्मा कालदूत मैं सहर्ष यह कार्य करूँगी।

मैं इच्छाधारी नागों की सम्झादी बन जाऊँगी। वाह!

द्वीप पर इच्छाधारी नागों का आगमन शुरू हुआ।

वाह! कितनी सुन्दर जगह है।

इंद्राज महात्मा कालदूत ने बहुत अच्छा स्थान चुना है।

और सुरक्षित भी।

नगीना ने उनकी मदद की -

और सुरक्षा भी -

स्वयंसेवा जो फिर इधर आए। मेरे रहते इन नागों का कोई बाल भी धीका नहीं कर सकता।

इस सुरक्षा भावना ने इच्छाधारी नागों के मन में नगीना का सम्झादी वाला रूप बना दिया।

आर नागा की मन्त्रों के बल पर साथ-साथ वह जल वैवी द्वीप की समझी।

किन्तु -

हा हा हा
रोज एक दुच्छारी नागा की बलि और उसका लहू पीने से मेरी तांत्रिक शक्तियों में बढ़ोत्तरी होती है।



वह लहू पिशाचनी बन बैठी।

महारानी लकीला, यह द्वीप के लगे महामान हैं।

दुच्छारी नागा द्वीप की रानी लकीला आपका स्वागत करती हैं।



अबार ऐसा ही चलता तो ठीक था -

फिर मैंने विसर्पी के पिता माणिराज के दादा विषराज को इस द्वीप का राजा बनाया।

मुझे देर से ही सही इसका आकास हुआ।



हू हू

पिशाचनी!
तूने पूरी दुच्छारी नागा जाति को धोखा दिया है। अब तू यहीं कैद होकर रहेगी।



बोल्सो राजा विषराज की ...

जय

विसर्पी के पिता माणिराज के बारे में जानने के लिए पढ़ें नागराज का अभूतपूर्व कॉमिक्स - "प्रलयकारी माणि"

द्वीप पर नागमंदिर का निर्माण हुआ।



और द्वीप का नामकरण हुआ।

आज से इस द्वीप का नाम 'नागसाधि द्वीप' होगा।

और अब मैं कलंगा गुफा में तपस्या



इधर कालवृत्त नागराज को नागसाधि द्वीप की कहानी सुना रहा था...

इस पूरे विश्व पर छाया हुआ था एक नया आतंक -

ब्रिटेन में -

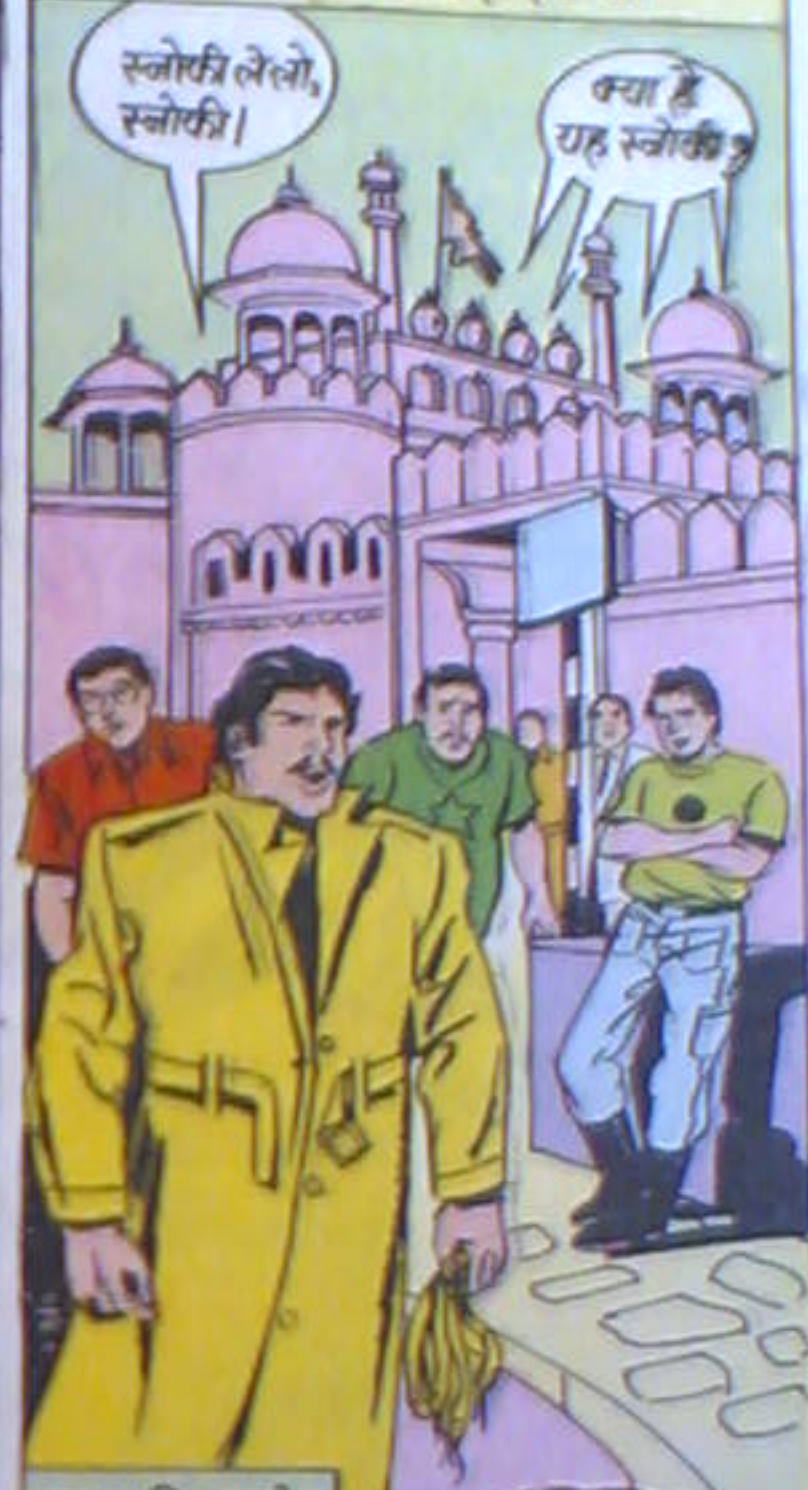
विश्व के सभी बाजारों का यही हाल था -



आ बाया स्नोकी!
आ बाया स्नोकी!



आ बाया स्नोकी!
आ बाया स्नोकी!



स्नोकी लेलो,
स्नोकी!
क्या है
यह स्नोकी?

यह अजीबो-गरीब आवाजें आती थी एक आधुनिक पेरिस की सड़कों पर घूम रहा था।

लोगों की भीड़ उसके पीछे-पीछे चलने लगी।

हर व्यक्ति उसके लिए उत्सुक था।



जल्दी ही भीड़ ने उसे घेर लिया।

रुक मुझे!
मुझे भी!
मुझे भी
रुको मुझे!

कुछ ही क्षणों में सब भाग बिक गया -



वाह!
सूब धिका
स्नोकी!



आज
हमने बाहक
रुंदे!

कल स्नोकी के नब्बेको लड़पते लोग हों दूँगे, क्यों कि एक स्नोकी केवल एक बार ही काम आता है

वाकई अगले दिन सम्पूर्ण विश्व में तहलका मच गया -



परेशान लोगों ने उन ओवरकोट वालों को बहुत रूढ़ा किया वे जा सिये।





पुलिस विभाग में तहलका मच गया।

मैं पूछता हूँ, क्या है यह स्नोकी। कहाँ सो रहे थे आप लोग जब यह बिक रहा था।

सर! मौके पर तैनात हमारे सिपाही भी स्नोकी ले रहे थे, इसीलिए...

शट अप!



सुझे क्या हर हाल में स्नोकी बेचनेवाला वह शीतल लिखना चाहिए।

जल्द सर!



शहर में रेड अलर्ट लागू हो गया।

सभी ओवर कोट वालों की चेकिंग होगी।



नतीजा निकला भी।

ओह

एक स्नोकी बेचने वाला पकड़ा भी गया।



किन्तु सभी सांप कुछ ही मिनटों में इधर-उधर हो गए

ये क्या था?

सुझे तो पता नहीं?

और साफ बच निकला ओवरकोट वाला। यही तो फायदा था स्नोकी बेचने वालों को, पुलिसके हाथों कोई सबूत न लगा।

किंग कोबरा सिंडीकेट -



किंग कोबरा!
सात कोबरा क्लाइड्स
में पहुँच गया
है।

ठीक है
कोबरा भाई, हम अली
साहब देखने चलते
हैं।

क्या था वह सात जो कोबरा क्लाइड्स में उतरा था।



वाह! इस बार
तो बहुत नीच भाव लगा।
हाथीदा, किंग कोबरा की
दुस्त्राजो।



SNAKES
SNAKES and
SNAKES

इसके साँपों का क्या करना चाहता था किंग कोबरा।

किंग कोबरा सिंडीकेट का सेनापति।



किंगकोसी को देना किंग कोबरा के हाथों पर सुस्कायुट चिपक उठी -



आजो किंगकोसी! देखो साला हमारे पास पहुंचने लभा है। अब तुम शीघ्र अपने अभि-यान पर निकल पड़ो।

मैं आज ही निकल पड़ता हूँ किंग कोबरा! जमीनों की खोज में।



आज नहीं, अभी किंगकोसी अभी। और मैं चलता हूँ प्रोफेसर नागमाणि के पास।



जो हुकम किंग कोबरा!

प्रोफेसर नागमाणि यहाँ किंग कोबरा के पास घोर आश्चर्य।

और फिर किंग कोबरा और किंगकोसी अपने-अपने रास्ते चल पड़े।

प्रसन्नता के ठेक में प्रोफेसर नागमाणि बोला -

प्रोफेसर नागमाणि! कहीं तुम्हारा काम कैसा चल रहा है?



बहुत बढ़िया, मेरा यह नया नशा 'स्लोकी' पूरे विश्व में धूम मचा देना। लोग स्मैक, चरस, अफीम को भूल जाएंगे।

कोई बहुत बड़ा धुल्ला खिलाएंगे ये दोनों।

तुम महान हो प्रोफेसर नागमाणि!

महान तो आप हैं किंग कोबरा! मेरी जिंदगी बचाकर आपने मुझे अपना गुलाम बना लिया।



*** उस दिन जागराज के नाम जागदंत ने मुझे डस लिया था।



*** यह देख जागदंत मुझे बचाने के लिए मेरी तरफ बढ़ा



जहीं आकर जहीं। मैं तुम्हें मरने जहीं दूंगा। वृन्हात सारा जहर धूस लूंगा।

आह! अब मैं जहीं बचूंगा।

*** उसने मेरे बस्तक से विष धूसने की चेष्टा की।

मैं जहीं बचूंगा... जाग... आह... जीधर मर साणों पर मैंने खोज की और मेल अंत ली हुआ तो जहर से आह...



जहीं, आका!

*** किन्तु तभी जागराज ने उसकी पीठ पर ठोकर जड़ दी...



*** और जागराज जागदंत को पीटता हुआ...



...अपने साथ ले गया।

जागमाणि मारा गया और जागदंत मेरे कब्जे में आ गया।



वे यही समझ रहे हैं कि मैं मर चुका हूँ।

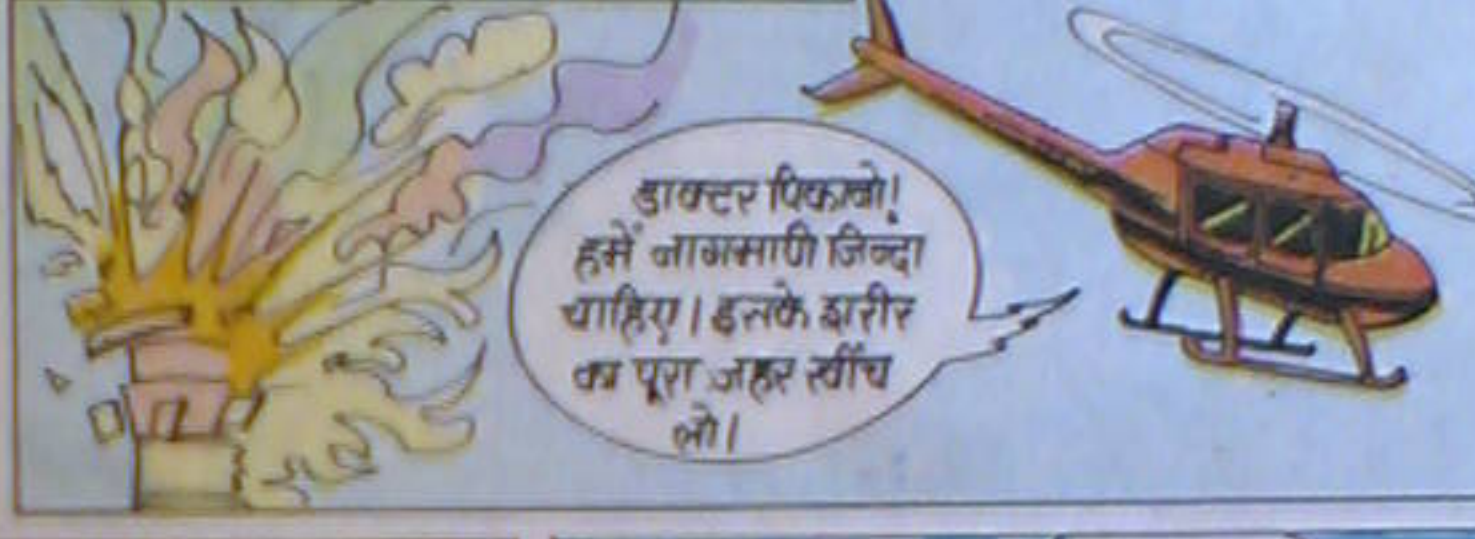
... किन्तु नागराज के निकलने ही अब वहां पहुंचें ...



किन्तु! प्रोफेसर नागसाहि को उठाकर ले चलो। यह मरने नहीं चाहिए। हमें इनकी बहुत जरूरत है।

... और आपके मुझे वहां से निकाल दिया ...

... मेरा हेडक्वार्टर धमाके से तबाह हो गया ...



डाक्टर पिकलो! हमें नागसाहि जिन्दा चाहिए। इनके इरीर का पूरा जहर खींच लो।

... डाक्टर पिकलो की दवाओं और आपकी मेहरबानी से मैं आज जिन्दा हूँ।



और अब मैं, अपने आविष्कार 'स्लोकी' से पूरे विश्व में तहलका मचा दूंगा। नागराज भी अब कुछ बकर पारेगा।

हा हा हा

'स्लोकी' बाकई तहलका मचा चुका था।

और नागराज वह महात्मा कालदूत की समस्या सुन रहा था।

ओह! महात्मा कालदूत। नागसाहि द्वीप का इतिहास तो बहुत रोचक है।

हां और अब सुनो। तुम्हें यहां बुलाने का असली कारण।



क्या था असली कारण ?

जैसे कैदियों को जेल में ले
बुद्ध के तपस्या में कैद कर
रखा था वे...

...जाले कब और
कैसे वहां से भाग्य हो
पुके हैं ?

क्या आपके कैदी
फरार हो नयाकमाल
हैं।



हमले पूरे द्वीप
पर उन्हें खोज लिया।
वे अब यहां नहीं
हैं।

मैंने लगीला से संपर्क
कमले की कोशिश की, किन्तु वह
तंत्र शक्ति से ओझल हो
बाई।



महात्मा कालवृत्त की वस सभी इच्छाकारी नावों से ज्यादा है - कई हजार साल।

और तुम्हें उन्हें खोजना
होगा। यह बहुत आवश्यक कार्य
है। विश्व के लिए बहुत बड़ा
स्वतंत्र हैं वे।

मैं यह
कार्य करूंगा
महात्मन!

नागराज! इस कार्य में
मैं चाहूंगा कि तुम इन पांचों
को भी अपने साथ
रखो।

किन
पांचों को ?



हल
घोंघों को।



अथ नागराज तैयार था बगीचा, चिखू घड़े, मकड़सुन्दर
और केकड़ाकेट की तलवा के लिए।

किंग कोबरा कलाउडस - बाबाय के एक लीडर दूकड़े के अंदर बना
किंग कोबरा का अदृश विद्यालय का एक अदभुत नकला।

किंग कोबरा आपके आदेशानुसार मैं नगीना को बंद लाया हूँ।



आबास! किंकोसी! बुलाओ उसे, वह कहाँ है?

किंकोसी ने नगीना को पेश किया -

कोबरा कलाउडस में तुम्हारा स्वागत है।

धन्यवाद किंग कोबरा!



सुझे बहुत खुशी होगी आपके किंकोसी की काम आकर।

नगीना! हम चाहते हैं कि आज से तुम हमारे रीयल काम करो।



मैं और मेरे तीनों साथी आजसे आपके हुकम के बलाम होंगे।



दिल्ली के राजद्वार होटल ताजप्रीतेश के छः शाजदार मेहमान —

जामदेव के लिये एक बाल्टी दूध, सिंहनाम के लिये एक मुला हुआ बकरा, नोसप्रेती के लिये सिगरेट, स्पर्सेज के लिये बीज सफाई, नागार्जुन और मेरे लिये कोबल कॉफी।



अब हम टोनी से संपर्क करेंगे। उसे यहां के अन्डर वर्ल्ड की पूरी जानकारी है।



टोनी नागराज से मिलेगा।

नागराज! दिल्ली में तुम्हारा स्वागत है।

टोनी! मुझे दिल्ली के अपराध जगत के बारे में पूरी सूचना चाहिए।



टोनी नागराज का दोस्त। टोनी के बारे में जानने के लिये पढ़ें, नागराज का शाजदार कॉमिक्स — 'बच्चों के दुश्मन'

टोनी उन्हें अपने साथ ले चला —

दिल्ली के अरुम दिखाने —

नागराज! दिल्ली में इन दिनों एक नये बड़े स्कोपी का बोझबन्ना है।

'स्कोपी'! यह क्या बन्ना है?

नशे के व्यापारी नये किस्म के छोटे-छोटे सांप बेचते हैं। जिनसे डसवाकर इन्हें नशा हो जाता है।



यह नशा स्नैक से बहुत ज्यादा पावरफुल है और इसे खेले में भी कोई इंकट नहीं, सिर्फ 'स्नोकी' से कटवाओ और नशे का आनन्द लो।

और इसका व्यापार किस तरह चल रहा है?



कालेसों यहाँ का सबसे बड़ा ड्रग पैडलर है। हिल्नुस्तल में वही इस व्यवसाय को चला रहा है।

स्नोकी! हा हा हा मालामाल कर दिया स्नोकी जे।



फिल्नु उसके आदसियों से जितना सजी 'स्नोकी' ले लो।

आओ, निकलो शक, स्नोकी के पांच सौ रुपये।

लो भाई लो। जो चाहे ले लो। मैं स्नोकी के बिना जिन्दा नहीं रह सकता।



उसके पास स्नोकी कहाँ से आता है यह किसी को नहीं मालूम।

... और फिर जैसे हर एक नशे से होता है। नशा करनेवाला बहुत धुरी मीत मर जाता है।



आ आ आ आ आ

ध्याओ में मरा।

हिल्नुस्तल की जो जगल पीदी बहुत तेजी से इस नशे की वज्जाम होली जा रही है।

केश ने जंग उदा कावाराज—

टोली, मुझे ध्याओ कहाँ मिलेगा वह डोतल कालेसों। मैं उस धुरी धुरी मीत मरनेगी।

जलर नगराज! मैं मुझे नुस्ते ध्याओ ले चहुँगा।



लड़ो का कोई भी सौदागर
इस कोठी से जिन्दा बाहर न
जा पाए।

ऐसा ही होगा
जागराज!



अबसे ही जब वह अन्दर थे लड़ो के सौदागरों को मौत की
नींद सुलाने के लिए—

सर्वज्ञ के सामने जो पंहा चीर भी जा सका—



सिंहजाग
तुम्हें चीर डालेगा
साजघता के
दुश्मनो।



अपराधियों का
कात्त हूँ मैं।

जागप्रेती के धीकंजे से बचना नासुमकिन है।

जागार्जुन— महाभारत के अर्जुन
का बांधीय है उसके पास—



सकी
पापियों का मस्तक
भेद देगा
है।



जागप्रेती तुम
दुष्टों को नरक पहुंचाकर
छोड़ेगा।

नागदेव तो घुगलस्तन है वह अपने हाथों से कुछ नहीं करता बस आदेश देता है।

इस यौनाज को घोहना मत मरुड़दण्ड।

धड़ाक



आलंकार का दूखल -

स्वहा हो जा करिसेखा! देख तेरी सीत स्वही है सासने।



सीत को इत फहरान रिखा करिसेखा ने -

नागराज! तुम नागराज हो ना।

हां! कात्वे खा नागराज।

आज तुझे ऐसी जीद मरना दूंगा जो कभी नहीं दूटेगी।

नहीं! नागराज, मुझे माफ कर दो। कोई भूल हुई है तो क्षमा कर दो।

जशा बेचने वाले मासूम जिन्दाबियों के किसी भी सोदागर को मैं जिन्दा नहीं छोड़ूंगा।

नहीं, नहीं, नहीं! तुम जो कहोगे मैं करूँ नागराज, मुझे मत मारो।





अच्छा तो बता
तेरे पास 'स्लोकी' कहाँ से
आता है। और कौन-कौन
बेच रहा है इस घातक
जड़ी को।

नागराज!
स्लोकी तो आज
पूरे विश्व में बेचा जा रहा है
और इसका निर्माता है
किंबा कोबरा और
प्रोफेसर नागसाणि।



प्रोफेसर नागसाणि।
वह... वह जीव जिव्दा
है। और यह किंबा कोबरा
कौन हुआ?

यह किसी को
नहीं मालूम हमारे बोदात्म
अपने आप स्लोकी से भर
जाते हैं और इसका पैसा
हम नेपाल के दुर्ग सभाट
मुद्रात्म को पहुँचा
देते हैं, बस।

अबले दिन सुबह दिल्ली पुलिस के हाथ लगी एक बड़ी कालसाधी।

स्लोकी का एक बड़ा स्टॉक बरामद हुआ।



वाह! स्लोकी का
व्यापारी साँपों से बंधा हुआ
है।

उफ! अगर नाग-
सज्ज हदहें तबाल ना करता
तो इतना स्लोकी देना
को बरबाद कर
देता।

और फिर एक बड़ी थिला में स्लोकी
के पूरे स्टॉक को जला दिया गया।

इधर नागराज, नागप्रेती, नागदेव, नागार्जुन, सिंहनाथ
और सर्पराज उड़ चले नेपाल की ओर -



विदा
नागराज!

क्या किंग कोबरा के पास वह सबक पढ़ेंगी।

किंग कोबरा!
भारत में हमारा एजेंट काले खां
गिरफ्तार हो गया है। और पुलिस
ने मात्र भी जख्त कर लिया
है।



क्या?
कैसे हुआ
यह?

विश्व आतंकवाद के दुश्मन नागराज
ने उसे पकड़वाया है और अब वह सुप्रीम
को पकड़ने के लिए नेपाल स्वाम
हो चुका है।



नागराज का नाम सुनकर भड़क उठा किंग कोबरा -

नागराज!
तो वह मैदान में आ ही
गया किंग कोबरा से
टक्कर लेने।



किंग कोबरा को
बुझाओ।

अबने ही उस किंग कोबरा का जिक्र हुआ।

क्या आड़ा है
किंग कोबरा?

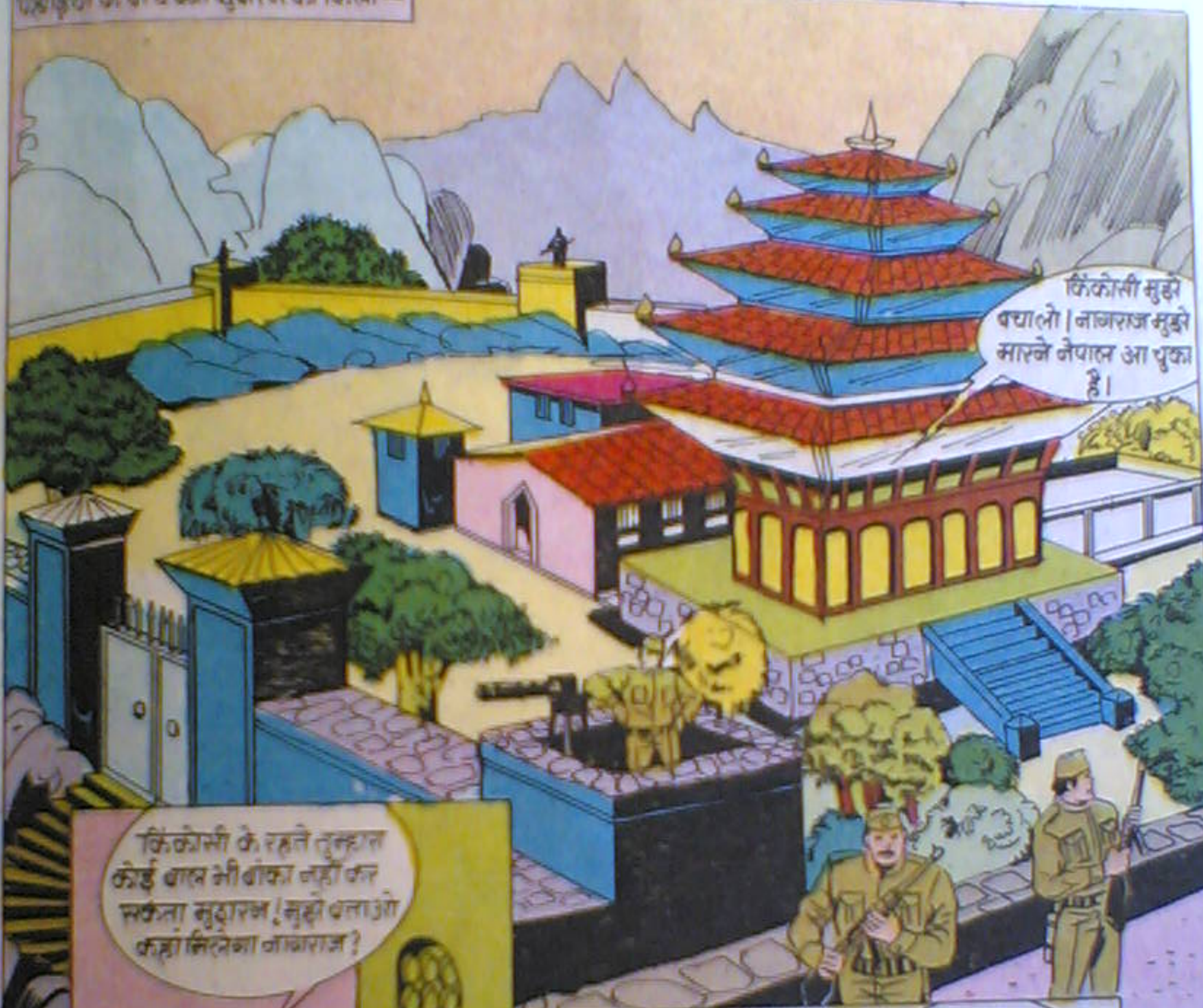
किंग कोबरा, तुम्हें
अभी नेपाल जाना
है।

नागराज का सिर
काटकर लाने के
लिए।

जबर!



पहाड़ियों के बीच बना सुदारन का किला—



किंकोसी मुझे बचालो। नागराज मुझे मारने नेपाल आ चुका है।

किंकोसी के रहते तुम्हारा कोई बाल भी बाँका नहीं कर सकता सुदारन! मुझे बताओ कहाँ सिद्धना नागराज?



वह नेपाल के प्रधानमंत्री कोइराला का मेहताल है।

केन्द्र के प्रधानमंत्री हल्ल में -

इतने मानकों के बीच कितना अजीब सा लसा रहा है।

सब हमें ही देख रहे हैं।

सब कुछ ठीक दिख रहा है फिर भी जाले क्यों किसी खतरे का आभास हो रहा है।

जागराज मुझे आटोव्वाफ दो।

मुझे भी

मुझे भी आटोव्वाफ।

जागराज को बहुत आभास कभी नहीं होता।

क्योंकि तभी वास्तविक जोखिमों के हलकों से बूझ उठा -

ध्यां ध्यां ध्यां ध्यां

कौन हो तुम? क्या चाहते हो?

और अगले ही पल प्रधानमंत्री कोडराल जागराज, जागप्रेती, जागार्जुन, जागदे सिंहबाग व सर्पराज के घेरे में आ गए-





प्रधानमंत्री की हत्या।



नागराज के रहते रेखा हरमिज नहीं हो सकता।

तो हम पहले तुम्हें ही मार भिरांगो।

फायर

आवेष्टा मिलते ही...

... फायर में नागराज के शरीर में बीसियों बोलियों भर गईं -

जो जलता था वह भी और जो नहीं जलता था वह भी कि -



धौं धौं धौं धौं

यह दृश्य देखकर हर कोई चीख उठा -



नागराज पर बोलियां असर नहीं करतीं हा हा हा।

और अबरे ही पत्र -

और अब वे नागराज के कैदी थे।



अब यह बंदूकें तुम्हारे पास नहीं रहनी चाहिए।



साँपों से ही तो सबसे ज्यादा डरता हूँ मैं।

साँप!

रेज रेज टेपोज...

किन्तु तनी-

रुद्धे रुद्धे रुद्धे



प्रवेश किया वहां काल ले-

यानी किंकोसी ले-



नागराज! यह सब ये सुशरन के निकम्मे आदमी और अब तुम्हारा स्वामना है किन्ना कोबरा सिंहीकेट के सेनापति किंकोसी से।

और जब तुम पर गोबरियों का असर ही नहीं तो यह स्टेजबल बेकार है।

सब दूर-दूर हट जाओ!



और वह स्वीफनाक दृष्ट देखने के लिए अब सब तैयार थे।

किंकोसी ले पहला बार किया-

क्या हमें बीच में आना चाहिए।

नहीं, नागराज अपनी लड़ाई अकेला लड़ता है।



मुझे अफसोस है कि अब दुनिया नागराज को सौ देगी।

जागराज संकलन और -



बहुत ही जबरदस्त थी वह फ्लाइंग किक ...

... और उतना ही जबरदस्त था किंगोस्ली का यह मुक्का।



हथौड़ों की तरह बरस रहे थे वे घुंसे किंगोस्ली के -

और जागराज ने किया जागरस्ली का हस्त -



जागराज उन मुक्कों की बरसात न रोक पाया -



जागराज इस हस्तके को नहीं झेल पाया।



फिर चली किंगोस्ली की कैंची -



किन्तु जागराज पर इस बार का कोई असर नहीं हुआ था।



अब तो जागराज को इससे भी बचना था -

इसलिए किंगी के बाहर आते पर भी नागराज का एक भी तूफान का कतल नहीं टपका-



आं ?



हूँगा!



फिर नागराज ने किंगी को उठाया और

बड़ों के सोदाबरो अब तुम्हारी स्तर नहीं।

और-

धड़



किंगी केबरा सिंहीकेट के सेनापति! यह नया तेरा दाग हाव।

वाह! नागराज, आश्चर्य!

नागराज का वह आखिरी घुसा किंगी को सह पाया-

NAGRAJ PUNCH! SOLID PUNCH!



NAGRAJ THE INVINCIBLE!

HURRAY NAGRAJ!

किकोसी का नाम बताओ किना केबरा तिरहोकेट में लख

किकोसी का नाम बताओ किना केबरा तिरहोकेट में लख

यह सच है किना केबरा! नागराज ने उसे मार दिया।



नागराज उठा किना केबरा

नगीना



पताचक क्षणकाल से पहले नगीना किना केबरा के सामने खड़ी थी-

नगीना! हमें किकोसी के हत्यारे का खिसर चाहिए।

किकोसी का हत्यारा!



हां, किकोसी का हत्यारा नागराज।

मैं जा रही हूँ। किना केबरा नागराज का खिसर लाने।

नागराज!

अब नगीना के जख से नहीं बच पाएगा नागराज!



और लाबराज वइ सुदारज का किना घेर चुका था -

लाबार्जज! इल सब बाहुर्ल की मोत की नींद सुला दो।

अभी लो लाबराज!



देखते ही देखते पहरे पर तैबात सही बाहुर्ल -



मोत की नींद सो गए -

और अब वे सुदारज के सामने थे -

इस सांप को हटाओ। तुम जो कहोगे मैं करूंगा।

तो हमें किंग कोबरा का पता बताओ।





किंग कोबरा के पीछे में तुम्हें कब्ज़े हाण्डू बता सकता है।



हाण्डू

हो हाण्डू! सिंगापुर का अपराध सब्बाट हाण्डू।



सिंगापुर में कहाँ सिंगा वृह ?

जुनेंग...!

और इससे पहले कि वह कुछ और कहता...



भयंकर झटका लगा उसे —

धड़क



और भयंकर आंठी के बीच...



सुझाव गायब हो गया वहां से —

हंरा, कहाँ गायब हो गया वह डीतान ?

?

?

तभी वही बूज उठी एक अचंकर आवाज -

जागराज! यह चला है नगीला का
जात्रा और इससे तुम भी न बच पाओगे।

नगीला! जागता त्रिका
नगीला किंग कोबरा के
साथ।

हां, मुद्राज को
मैंने भेज दिया किंग
कोबरा सिंडीकेट और तुम
जाओगे मौत के मुंह
में।

इससे पहले कि वे कुछ कर पाते -

हा हा हा
नगीला का
का जात्रा।

अरे अरे
अरे अरे
अरे अरे
अरे अरे

नहीं ss

पांचों की यह हायल देस जागराज चील उठा -

नगीला! यह
तुम्हें क्या किया हम
पांचों को।

घबराओ मत।
यह मरे नहीं हैं, सारे होंगे
ये अभी। यही तो है नगीला
का जात्रा हा हा हा।

नगीला! महात्मा कालवृत्त
की अपराधीन, किंग कोबरा
सिंडीकेट के साथ तुम अब ज्यादा
दिन आजाद न रह सकोगी
हत्यारिण!

महात्मा
कालवृत्त! वाह! तब
तो यह टफकर बहुत
मजेदार रहेगी।





अच्छा तो नागराज, अब मैं चलती हूँ क्योंकि अभी तो तुम्हें बहुत सी लड़ाइयाँ लड़नी हैं।

लड़ाइयाँ!

सिंहलाग की चेतना वापस लौट आयी थी।



ओह, सिंहलाग, तुम ठीक तो हो ना?

मैं तो ठीक हूँ नागराज, किन्तु अब तुम जहाँ क्यों?



वह क्या हो गया है तुम्हें? उफ!

जय महामना नगीना!



उफ! तो यह है नगीना का जाल। उसने इलाक़े मेरे चिन्मूढ़ कर दिया।

तुझे चीर कर खा जाऊंगा।



बड़ा भयंकर जाल था नगीना का :-

उफ! कहीं यह मेरे शरीर पर दाँत न गड़ा दे, नहीं तो बेमोल मारा जाएगा * बेधारा।

हम्फ!

* नागराज के शरीर में हजारों साँपों का विष दौड़ रहा है।

फिर लाकारस्त्री ने सिंहजाब को जकड़ लिया -

लाकारज की सजदूरी, अपनों से लड़ना भी पड़ेगा और उन्हें बचाना भी पड़ेगा -



सिंहजाब के जबड़ों से अपनी गरदन बचानी पड़ेगी।



लाकारज ने लाकारज पर एक घालक बाण छोड़ा -



लाकारज! मेरे बाणों को कैसे रोकोगे?

उफ! यह भी!

लाकारज ने बाण वापिस सींचा -



होटा नें आओ लाकारज!

लाकारज बाड़ीच तिर फिर तैयार था -



मैं हूँ लाकारज, तुम्हारा राजा!

जय महामना लगीना!

सम्पूर्ण शक्ति को नागराज ने गांधीय घीनला पहा -



भाऊ, यह गांधीय अब तुमसे घीनला पड़ेगा।

और फिर -



नागराज! तुम सब राह से भटक गए हो!

शीघ्र ही -



तभी -



हा हा हा नागराज! तुम नाबप्रेती के शिकंजे में फंस गए हो।

नाबप्रेती का कसावत फल प्रतिफल बबला जा रहा था -



अब तुम धीरे-धीरे मुझ में समा जाओगे और किर्रील हो जाओगे चालि बाणव। हा हा हा

ऐसा नहीं हो सकता।

सम्पूर्ण शक्ति लगादी नागराज ने।



कभी नहीं।

और आजव हो गया।

नाबप्रेती के खेलादी शिकंजे से कोई नहीं बच सकता।

धड़ धाड़

धड़क



जागप्रेती भी -

आजो जागप्रेती! तुम भी आजो!

उसो जागराज से टकराई वह फोलादी बादा कुसण्डा -



कितनी प्रखरकारी बादा थी वह!

जागराज के कंधे से टकरा कर पैड़ को तोड़ती हुई बादा वायस सर्पराज के हाथों में आ गई।



जागराज! यह भूमण्डा बादा है। तुम्हारे दुकड़े-दुकड़े कर देगी।

और यह बादा बादा तुम्हें हीट योद्धा कर देगा।

यह नागराज ही है जो अकेला इन पांच सूत्राओं से मुकाबला कर रहा था -

उफ! इसने मेरा बालुदण्ड बांध दिया।



महामना जगीना जिंदाबाद!

धडाका



सर्पराज का पल्लु भारी था।

मूलच्छा बदा नागराज के सहंगी पक रही थी -

ये सब कितने डालदार सैनिक साधित होने चाहे मैं इन्हीं राह पर जाने में कलचाव हो गया।



सर्पराज ने पैतरा बदला और -

यह क्या कर रहा है?

धम्म



धम्म धम्म

जाने क्या करना चाहता था वह -



और नागराज के पैरों के नीचे जमीन धंस गई -

हा हा हा



उफ!

किन्तु तभी-

उच्चात्स विया दोड़ों को नागराज की ठोकर ने-

देरही ताकत मेरी गदा की, अब होवा --

हा हा हा नागराज का अंत!

सहानला लगीला का जाल कासपाब हुआ।



भरई



हाट!

नागराज का अंत असंभव है।



अब चट्टाली लालालाव फौलारी गदा भूमण्डा धारी सर्पराज नागराज के प्रचाणु वार होत रहा था-

दिगुन

दिगुन

चाड़!

सर्पराज! मैं अगली दिगुन तुम्हारे से तुम्हें धोखे करने जा रहा हूँ।



किन्तु जो वह चाहता था वह कर न सका -



जागदेव की दाढ़ी ने उसे धूल चटा दी -



और तभी संयुक्त शक्ति के फलस्वरूप -



नगीना जिन्दाबाद

तीनों जागरस्त्री के बंधन से आजाद हो गये

और नागराज जागदेव की दाढ़ी के बंधन में पूरी तरह कैद हो गया था।

नागराज! तुम्हारा आँसू ही वस्तु आ गया है। गोदो लगीला जिन्दाबाद!

बुद्ध बोलेलाथ जिन्दाबाद। लहाला कारनदूत जिन्दाबाद!



मेरा यह बाण तुम्हारा सारा जहर सोख लेगा नागराज!





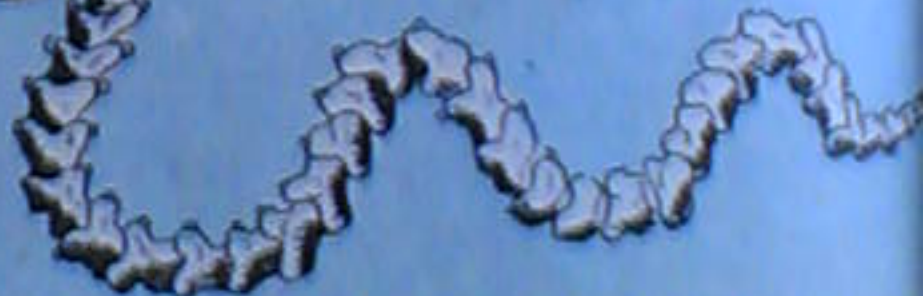
जागराज बेवस रुड़ा अपनी ओर बढ़ती मौत को देख रहा था -



किन्तु हसते पहंले कि मौत जागराज से टकराती -



चिर्र्र्र



धीरे से आकरा—



सहात्सा कालदूत का—



कालसर्प—



कालसर्प

तुम पाँचों को राह से भटकना देना महात्सा कालदूत ने मुझे भेजा है। नागराज की मदद की।...

ओह! तो महात्सा कालदूत बिछा वृष्टि से यहाँ का सग हात्र देना रहे हैं।

—और तुम्हें सबक सिखाजे।

ओह!

ओह!

फर्र

पाँचों बंधोया होकर फिर उन्हें —

जब जब वे होया में आये तो इन पर से जगीला का जादू दूर चूका होया।



जादूद्वेय के बंधोया होने ही काबलज इसके बंधन से आजाद हो गया।

फिर वे जेपाल में नहीं रुके —

सिंगापुर अपराध सभाट हाण्डू।



पंजी इन्टरनेशनल एयरलाइन्स सिंगापुर —

अपराध सभाट हाण्डू —

पहले होटल रेफरन्स। फिर जुरांग।



अपराध सभाट हाण्डू —

विश्व भर में स्नोकी की किटी का जो पैसा क्रेफ्ट हुआ है वह GOLD के रूप में कल किंग कोंगल कनाठ इस मेजना है आटेसेटि कम्प्युटराइज्ड एसेल द्वारा।



और जब उन्हें होया आया —

जाबासभाट जागाराज! हम अपने किरा पर शर्मिंदा हैं।

इसमें तुम्हारी कोई बालनी नहीं थी। यह सब जगीला के कमजोर का जतीजा था।



पाँचों को रूह पर लाने के बाद कालसर्पी वहाँ से गायब हो गया।

फिर हाफ्ट पहुंचा अपनी स्पेशल स्नेक सकर स्क्वाड के पास -

कैप्टन कही, सर्प पकड़ने का काम कैसा चल रहा है ?

बहुत अच्छा बोट हाफ्ट !

यह स्नेक सकर बाल इस जिस भी बिल में लंबाते हैं उस बिल का प्रत्येक सांप इस बाल में कैद हो जाता है।



शाबास कैप्टन! हमें गर्व है कि हमारी स्क्वाड पूरे सिंगापुर से सांप हकड़ते करके किंग कोबरा के पास भेज रही है।

इन्हीं सांपों से वे स्नोकी का निर्माण करते हैं। जो फिर हमारे पास आता है और हम उसे पूरे विश्व में सपनाई करते हैं।

यस बोट हाफ्ट !



अब यह मात्र आप प्लेन पर पहुंचाएं। करम हमें यह सपनाई कोबरा क्लाइडल पहुंचानी है।

जसर बोट हाफ्ट !

हाफ्ट चर दिया प्लेन लार्चिंग सेंटर की तरफ -

किंग कोबरा मुझसे कितने सुझा होंगे।



आपकोसोर्टिक कल-यूटरइज्ड पपेल

और फिर हाण्डू आ गया अपने महल में।

महामना नबीना! हाण्डू के महल में आप लोगों को किसी तरह की तकलीफ तो नहीं है?

हम यहां मजे में हैं हाण्डू! जागराज सिंगापुर आ चुका है। बस, उसे समाप्त कर हम यहां से कूच कर जाएंगे।

यह आपका ही महल है महामना!

और जागराज घूम रहा था 'जुरोंग' में सर्पराज के साथ -

मुझसे ले गायब होने से पहले 'जुरोंग' ही धोला था सर्पराज, और इसीलिए हम यहां हाण्डू को दूबने आए हैं।

जागराज! क्या हम सिंगापुर यह नगरमध्य देखने आए हैं।

वैरी बुड जेक्टलमेन! काब ठीक समय पर यह एजेंट कोषरा क्लबाग्रहस के लिए उड़ जाता चाहिए।

बेट हाण्डू! एजेंट पर सोना और सोप लोदे जा चुके हैं। एजेंट काब टेक आर कलने के लिए विद्युत्स तेवार है।



नदी घाट स्थित दुर्लभ में उठा जालजाला -



एक बहुत भयंकर प्राणी दुर्लभ के बाहर आ चुका था -



साथ ही उनका वह जाला-पहचाना चेहरा -

नागराज! दुर्लभ के किसी भी कोने में चले जाओ। नगीना का जाल हर तरह फैला हुआ है।

अब बच के दिलाओ इस सकरासुर से।



इसके साथ ही घूमि सकरासुर की पूंछ -



कितनी इससे पहले की मकरासुर कुंभ और क्षति पहुंचा पाती -

भूमण्डाने वाकई मकरासुर का मस्तक छिन्न-भिन्न कर दिया -



भूमण्डा हमसे टुकड़े-टुकड़े कर देगी!

धड़क

अबाले ही पल मकरासुर नीचे आ पड़ा -

वाह! सर्पराज! भूमण्डा कमाल की चीज है वरना यह दानव इतनी आसानी से न मरता।

भूमण्डा से और भी कमाल है जागराज!



तभी आगते हुए नागदेव, सिंहनाथ, जागप्रेती वजागार्जुन उनके करीब आ पहुंचे।

बाहर हमें जैसे ही खबर लगी कि अबदर एक वेल्ल आ गया है तो हम खुद को आने से ना रोक सके।



मैंने इसीलिए तुम्हें बाहर छोड़ा था कि जरूरत पड़ने पर तुम आ सको।

फिर वे वहां से निकल चले -



दुर्रोंग बर्ड पार्क -

नागराज !
मुझे नहीं लगता कि
इस चिड़िया घर में
हफ्फू हमें मिलेगा।

कहते तो तुम
ठीक हो नाबप्रेती, किन्तु
इसके अलावा हम कर
भी क्या सकते हैं।

तभी गूंजी वहां एक भयंकर आवाज लगीना की-

बहुत कुछ कर
सकते हैं।



यह लगीना
किस फिटर की
जाती लगती है।

क्रिया..या

इस
विशालकाय पक्षी सरुडा
से लड़ सकते हो।

लचनी
नागराज ! सरुडा
तुम्हारी तरफ ही आ
रहा है।



जागराज ने एक जब्तदस्त चिके
सारी स्वरुडा की जाके एए -



और जागराजी ने उछलकर अपने छोटादी दिक्कतों से जल्द
सिया स्वरुडा को।



कंकजे का कलाव धीरे-धीरे बढ़ता जा रहा था -



और स्वरुडा धीरे-धीरे समाता जा
रहा था जागराजी के दारीर में -



अगले कुछ ही पल में स्वरुडा पूरी तरह धिक्कीक
हो गया -

उफ!
अगर मैं इसके दिक्कजे
से ना छूटता तो मेरा भी
यही हथ्य होता।

वाह! आज
पेट भरा है
कितने दिलों
बाद।



जागराज एण्ड पार्टी जितना होकर चल पड़ी -

जागराज!
लगाता है सिंगापुर में
हस हाण्ट को नहीं
सोज पारंगे।

हिक्मत न
हारो! हाण्ट हमें जरूर
सिलेगा।



अपना-अपना कामनाज उधर पड़े —



आइए से उधर पड़े बाकी सब भी —



इधर नगीना थी अस्त एक तार्किक अनुष्ठान में —





फिल्लु अब
वे माधिकेला से
नहीं जीत पाएंगे।



माधिकेला
यात्रि म कड़ाधि च्छू
के कड़ा और नगीजा
की संयुक्त शक्ति।



नगीजा के
जात्र के सबसे ताकतवर
हाथियार।

और अंत में -



हम चारों को
हवज में अपजा-अपजा
लहू गिराया होगा।

ओर अंधाकार जलजले के बीच
प्रकट हुआ माविकेजा



जमीला ने साधिकेला को सिखाया किता -

किजयी बलो साधिकेला! हमें वाग-राज व उसके स्पाथियो के सिर चाहिए।

जो हुकस सहासिका जमीला!

हिजनु साधिकेला को उरुका उरुका पूरी को कही-न जका कक-

जागराज खुद साधिकेला के सामने आ गया -

तो यह तुम्हारी आखिरी कोशिश है जमीला, तो क्यों ना इसे भी अजमा लूं।



अचंभित रह गये जसे-

वागराज यहा!

वागराज!

वागराज!



हां वागराज, यहा हाण्ड के महार जुरेबा पेंसिस में तुम सबका तबाह करने के लिए।

जमीला! तुमसे तो मैं लिबदंगा ही, बचेंगे हाण्ड, किंवा कोबरा और वागमाणा भी जहीं।

किंवा कोबरा और वागमाणा का तुम कुछ नहीं बिगाड सकते वागराज! वह बहुत अंगी हस्ती हैं।



और हाज़ू वह किंग कोबरा का सबसे खास साथी है। उसका तो एक फ्लेज आज भी किंग कोबरा क्लाइड्स पर जा रहा है। रोक सको तो उसे ही रोक लेना।



तो वह आ गया हाज़ू, जिसके दर्शन को तुम तड़प रहे थे।

क्या हुआ महासजा लगीना, कैल है ये?



लगीना ने हाज़ू को नागराज व साधिकेला के बारे में बताया।

साधिकेला! बातें बहुत ही चुकी अब इसी एमलोक पहुंचा दो।

ओ हुकस महासजा!

साधिकेला कंटीलमूत घुमाता नागराज पर झपटा —



यह सफ़ास्वाद का हाथियार है कंटीलमूत।

कंटीलमूत का जबरदस्त प्रहार पड़ा नागराज के चेहरे पर

साधिकेला तुझसे लड़ने में वाकई मजा आएगा।

उफ!



जब काल माधिकेजा ने 'चीरचला' का वार-

इस प्रत्ययकारी हाथियारों से
तेरे लम्बे शरीर को घुलवनी
कर दूंगा।

उफ! यह
है केकड़ाकंट का
हाथियार
चीरचला।

लालागल को मार सकता है तो कभीना व... है
बाधा था -

माधिकेजा! तेरी
निर्मात्री लगीजा को तुझ पर लंबे है।
मार डाल इसे। हा हा हा

आवास
माधिकेजा!

माधिकेजा ने वृद्धिका को आजमाया -

यह बिच्छू छेदे का
हाथियार वृद्धिका सेत कोई
अंज ले काट डाले।

और -

केशा लला का प्रत्ययकारी नाबद्ध-सर्पक.

उफ!

ओह!



नागराज पर माधिकेला की हथी होते देख पांचों क्रोध सोचते पर मजबूर हो गए -

हमें नागराज की मदद करनी होगी।



और उनकी पुकार पर नागराज ने समा लिया पांचों को अपने अन्दर ही-

हृच्छा धारी नागराज!
शक्ति नागराज!



इस तरह के संयुक्त शक्ति रूप केवल नागराज के लिए ही संभव हैं।

और अब दक्षिण जागराज तैयार था मखिकेला ने सुकड़वले की -



आओ मखिकेला! अब करो सुहा पर वार।

मखिकेला ने किया सर्पक का दक्षिण प्रहार -



क्षमाक

जागराज के अमले प्रहार ने -

सर्पक की चूर-चूर कर दिया।

उसी के साथ लम्बा नगीना की एक तीव्र झटका -



उर्फ, मेरी दक्षिण सर्पक का नाश।

मखिकेला ने वृद्धिका का प्रहार किया -- जागराज के हाथ में लज्ज आने लगी भूमण्डा



भूमण्डा के आगे वृद्धिका राज्य है।

सिंहनाग की दक्षिण ने तोड़ा कंटीलमूत का प्रहार -



ये तोड़ा सिंहनाग के चंजों ने कंटीलमूत को।

'चीर चला' की काला जागार्जुन के वज्र बाण ने -



मखिकेला! अब क्या रह गया है तुझ पर आजमाये।



साधिकेजा तुझे अपने बाहुबल से जीतेगा नागराज!

नागराज भी तुझे अपना श्रेयदा ही दिवाएगा साधिकेजा!

आजा!



नागराज ने साधिकेजा को दबोच लिया -

तुझे दिवाता हूँ साधिकेजा कि किसकी बाजूओं में ज्यादा दम है।

कुछ करो साधिकेजा! तुम हारने वाले हो।

साधिकेजा बहुत घुटपट्टया, किन्तु नागराज का शिकंजा फिर प्रतिफल बढ़ता जा रहा था -

ओह! यह मुझे क्या हो रहा है?



साधिकेजा की आखिरी समय में नागराज की शक्ति का अहसास हुआ।

साधिकेजा, तुम तो गए समझो!

तुम अजेय हो नागराज!

अंततः साधिकेजा नागराज के शरीर में विलीन हो गया -

यह था कर्मात्म नागाप्रेती की अद्भुत शक्ति का

क्यों नगीना! कुछ और बाकी रह गया हो तुम्हारे जाल में तो उसे भी भेज दो

उफ! हमारा शक्ति स्तम्भ खिर गया। दूट गया नगीना का जाल। अब हम इसे नहीं रोक सकते। भाग चलो यहां से।

जगीना सतार भकड़ा ल्याह के कडा कंट, व बिचु शङ के साथ सुल्का घरे में कैद होकर उड़ चली —



भावा कहां रही हो जगीना! आओ लड़ो मुहरसे!

हम इसका कुछ नहीं बिनाइ सकते। किंग कोबरा खुद सीचेगा, इसका क्या करना है। हम तो चले।



मुझे भी साथ ले लो जगीना!

हाण्डू राक तरफ ओ भावा —



मैं आटोमेटिक फ्रेन पर सवार हो जाऊंगा। वह कोबरा कलाउडल की तरफ उड़ान भरने ही वाला है।

जगाराज ऊहर बरणाता हुआ हाण्डू के पीछे भावा —



हाण्डू अपनी विशेष कार पर सवार हुआ —



अब मुझे किंग कोबरा ही बचा सकता है।

कार घटरियों पर दोड़ पड़ी —



मैं आ रहा हूं हाण्डू! तेरा पीछा किंग कोबरा तक नहीं छोड़ूंगा मैं।

उफ! फ्रेन उड़ने में कुछ ही मिनट बाकी हैं।

कार लॉचिंग स्टेशन पर पहुंची —



बस कुछ ही पल।

बाजब की फुर्ती दिखई हाण्डू ने।

और जब नागराज वहां पहुंचा हाण्डू प्लेन पर सवार हो चुका था -

तो हाण्डू किंग कोबरा के पास जाने वाले इस प्लेन पर सवार हो गया है, मैं भी इस प्लेन द्वारा किंग कोबरा तक पहुंच सकता हूँ।

किन्तु इससे पहले कि नागराज प्लेन पर चढ़ता एक जबरदस्त धमाके के साथ -

प्लेन उड़ गया। उफ! अब क्या करें?



नागराज को सिमा लॉचिंग स्टेशन का चीफ इंजीनियर -

तुम मेरे बगुलाम हो जैसा मैं कहूंगा, तुम करोगे।

हाँ, मैं आका जो आज कहोने में करूंगा।

नागराज ने प्लेन के प्रोग्रामिंग में करवाई कुछ सेटिंग -

किंग कोबरा क्लाउड्स में पहुंचते ही प्लेन ब्लास्ट हो जाना चाहिए जिससे हाण्डू के साथ किंग कोबरा व नागसाणी का भी अन्त हो सके।

मैंने ऐसी प्रोग्रामिंग कर दी है कि किंग कोबरा के अड़्डे पर पहुंचते ही विमान में धमाका हो जाएगा।

ब्लास्ट हुआ, किन्तु कोबरा क्लाउड्स से बहुत पहले -



यह तो अच्छा हुआ प्रो. नागसाणी कि हम अपनी क्लोज सर्किट स्क्रीन पर सब कुछ देख रहे थे और हमने यह ब्लास्ट क्लाउड्स से पहले ही करवा दिया, वरना हाण्डू के साथ हम भी मरते।

ठीक फरमाया किंग कोबरा।

क्रोध से बुरी तरह उफन रहा था किंज कौबरा -

जागराज ने मेरा पूरा 'स्नोकी प्रोजेक्ट' तबाह कर दिया। बड़ा भारी नुकसान पहुंचाया है उसके हमें जानसानी!

हां किंज कौबरा, और हमें अब यह अहड़ा भी बदलना होगा।



जागराज को एक दिन इसका बदला चुकाना होगा।

जल्द किंज कौबरा, जानसानी आपके साथ है।

क्रोध से भुनभुनाते हुए दोनों अब एक लम्बे जरसे के त्रिपुर दान्त हो जाने के लिए मजबूर हो गए -

और जागराज वह अभी वही सोच रहा था कि किंज कौबरा व जानसानी दुभाके में मर चुके होंगे। अपनी इस सफलता पर अत्यंत प्रसन्न था वह चिन्मय से स्नोकी का आलांन जो समाप्त हो चुका था -



शुभचवाद। पांचों शाक्तियों, तुम्हारे बिना यह कार्य असम्भव था।

जागराज, मैं तुम्हारी सफलता पर अत्यंत प्रसन्न हूं। नबीना तुमसे पराजित होकर भाग गई है, अब उसे अपनी शाक्तियां दोबारा पाने में बहुत समय लगे जायेंगा।



और अगर वह फिर कभी दोबारा सामने आई तो मैं उसे जिनदा नहीं छोड़ूंगा।



Vinod Yadav

जागराज के प्यारे पाठकों, आपको यह चित्रकथा व इसके सभी चरित्र कैसे लगे। इस बारे में हमें अपने पत्र जरूर लिखें:
 आपका - संजय गुप्ता, १६०३, दरीबाकलां, दिल्ली - ११०००६